A

SCR 745

ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 - 21

STD. X **Third Language**

Time : 90 minutes **HINDI** **Total Score : 40**

सामान्य निर्देश :

- पहला बीस मिनट कूल ऑफ़ टाईम है ।
- इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें ।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें ।

Score

भाग – 1 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया । दोनों छठी में आ गए । यह स्कूल पाँचवीं तक ही था । " साहिल अब तुम कहाँ पढोगे ?" बेला ने पूछा । " और तुम कहाँ पढोगी बेला ?" साहिल ने पूछा । " मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएँगे और तुम ? " " मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा। "

1. साहिल और बेला फुलेरा का स्कूल छोडनेवाले थे । क्यों ? 1

(क) फुलेरा का स्कूल अच्छा नहीं था । (ख) फुलेरा का स्कूल घर से दूर था ।
(ग) फुलेरा का स्कूल पाँचवीं तक ही था। (घ) फुलेरा का स्कूल साहिल और बेला को पसंद नहीं था ।

2. साहिल और बेला बहुत दुखी देख रहे थे । क्यों ? 2

3. बेला से बिछुडने के कारण साहिल बहुत दुखी था। उसके मन में अनेक विचार उभरे। साहिल की **डायरी** लिखें। 4

अथवा

कहानी के प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें।

(ख) सूचना : ' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।

गंगी झुकी कि घडे को पकडकर जगत पर रखे कि एकाएक ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया । शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा । गंगी के हाथ से रस्सी छूट गई । रस्सी के साथ घडा धडाम से पानी में गिरा और कई क्षण तक पानी में हिलकोरे की आवाज़ें सुनाई देती रहीं । ठाकुर ' कौन है, कौन है ?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी । घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला–गंदा पानी पी रहा है ।

1. गंगी रस्सी छोडकर क्यों भाग गई ? 1

(क) अपने पति से जल्दी मिलने की इच्छा से। (ख) ठाकुर द्वारा पकडे जाने के डर से।
(ग) कुएँ का पानी गंदा होने से। (घ) कुएँ से पानी मिलने से।

2. जोखू ने गंदा पानी पीने का निश्चय क्यों किया ? 2

3. ' जाति प्रथा अभिशाप है '- यह संदेश देनेवाला एक **पोस्टर** तैयार करें। 4

अथवा

वार्तालाप को आगे बढाएँ ।

गंगी – बापरे ! आप यह क्या कर रहे हैं ?
जोखू – फिर मैं क्या करूँ गंगी ? प्यास के मारे गला सूख गया है ।
------- - --------------------------------
------- - --------------------------------

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 Ph:9567224545

भाग – 2 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 4 से 6 तक के उत्तर लिखें ।

" अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे । कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं । ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर ?" गुठली बोली, " अपना घर ? यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई । " बुआ हँसके बोली, " अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है । बाकी लडकियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है । ससुराल ही तेरा असली घर होगा । जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है । कुछ समझी ?"

4. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बुआ की नसीहतें शुरू होने लगा । (ख) बुआ की नसीहतें शुरू होने लगे ।

(ग) बुआ की नसीहतें शुरू होने लगी । (घ) बुआ की नसीहतें शुरू होने लगीं ।

5. " अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है।"- बुआ के इस कथन पर अपना विचार लिखें। 2

6. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें। 4

अथवा

' लडकियों को समानता का अधिकार है '- इस विषय पर **टिप्पणी** तैयार करें ।

* घर में अन्य होने का अनुभव
* परिवार में उचित स्थान का अभाव
* समाज में भेदभाव
* लडका-लडकी समान

(ख) सूचना : 'आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 4 से 6 तक के उत्तर लिखें ।

एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है । रणविजय परेशान है क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं । कलाम यह जानता है झट एक अच्छा –सा भाषण लिख अपने दोस्त रणविजय को दे देता है । रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है । इस बीच राणा सा के कारिंदे कलाम के घर तलाशी लेने आते हैं और वहाँ कुँवर रणविजय की चीज़ों को पा कलाम पर चोरी का आरोप लगाते हैं । लेकिन कलाम फिर कलाम है । इस झूठे आरोप के सामने भी अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडता । यह जानकर कि राणा कुँवर को उससे की दोस्ती की सज़ा देंगे, वह चोरी का इल्ज़ाम सह जाता है पर उन्हें अपनी दोस्ती के बारे में नहीं बताता । यहीं वह तय करता है कि वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा । और वह अकेला ही निकल पडता है । रास्ते में मुश्किलें हैं । लेकिन कथा के अंत में कलाम को अपनी मज़िल मिलती है ।

4. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) हम स्कूल जाया करता था । (ख) हम स्कूल जाये करते थे ।

(ग) हम स्कूल जाया करते थे । (घ) हम स्कूल जायी करती थी ।

5. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

(कलाम का, फिल्म के)

- सपना साकार होता है ।
- अंत में सपना साकार होता है ।
- ---------------।
- -------------------------- ।

6. अपनी सफलता की बात कलाम अपनी डायरी में लिखता है । **कलाम की** उस दिन की **डायरी** तैयार करें । 4

अथवा

प्रगति फिल्म क्लब, चेन्नै के वार्षिक समारोह में आई एम कलाम **फिल्म का प्रदर्शन** होनेवाला है । इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

SREENITH R KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

भाग – 3 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 7 से 9 तक के उत्तर लिखें ।

गाते–गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । लोगों को लगा कि माइक में कुछ खराबी आ गई है, पर फुसफुसाहट ज़ारी थी । लोग चिल्लाने लगे । कहीं से कुछ लोग म्याऊं –म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया।

7. चार्ली की माँ स्टेज से हटने को क्यों मज़बूर हो गई ? 1

8. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1

(क) वह + ने = इसने (ख) ये + ने = इसने

(ग) यही + ने = इसने (घ) यह + ने = इसने

9. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

(स्टेज से, अभद्र)

- माँ को हटने को मज़बूर कर दिया।
- शोर ने माँ को हटने को मज़बूर कर दिया।
- ------------------------।
- ------------------------।

(ख) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 7 से 9 तक के उत्तर लिखें ।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने ; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

7. टूटा पहिया किसका सहारा बन सकता है ? 1

(क) चक्रव्यूह का । (ख) अक्षौहिणी सेना का ।

(ग) किसी दुस्साहसी अभिमन्यु का । (घ) ब्रह्मास्त्रों का ।

8. 'लेकिन मुझे फेंको मत '- यह किसकी प्रार्थना है ? 1

(क) आवाज़ की । (ख) अक्षौहिणी सेना की ।

(ग) अभिमन्यु की । (घ) टूटे पहिये की ।

9. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है ? 2

भाग – 4 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' अकाल और उसके बाद ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 10 से 12 तक के उत्तर लिखें ।

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

10. ये पंक्तियाँ किस हालत की ओर इशारा करती है ? 1

(क) अकाल के बाद का (ख) अकाल का
(ग) अकाल की संभावना का (घ) अकाल के पहले का

11. अकाल में चूहों की क्या हाल हो गई ? 1

12. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

(ख) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 10 से 12 तक के उत्तर लिखें ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे–बडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथ में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ ।

10. ' **चक्रव्यूह** '– किसका प्रतिनिधित्व करता है ? 1

(क) साहसी युवा पीढी (ख) मानवीय मूल्य (ग) जीवन की विषमताएँ (घ) महाशक्ति

11. **' शस्त्रहीन '** – का समानार्थी शब्द कवितांश से चुनकर लिखें । 1

12. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRI45 ph 9567224545

भाग – 5   किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 13 से 15 तक के उत्तर लिखें ।

एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया । पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकडकर फेंकनेवाले थे, वह गलती ही नहीं । उन्होंने बेला को छोड दिया । बेला के भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था । उसने देखा कि बेला के पाँव अभी भी काँप रहे हैं । जैसे वह खडे –खडे अभी गिर जाएगी। सुरेंदर जी माटसाब कॉपी को उसके बैठने की जगह पर फेंकते हुए कहा, " बैठ अपना जगह पर ।" बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं । वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी, क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है। जब वह असके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।

13. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

बच्चे रोते हैं।   बच्चों को रोना आता है ।

बच्चियाँ रोती हैं।   -------------------------

14. साहिल क्यों बुरी तरह डर गया ? 1

(क) माटसाब को देखकर ।   (ख) बेला के बालों में पंजा फँसाने से ।

(ग) बेला के भयभीत चेहरे को देखकर ।   (घ) अपनी कॉपी में गलती होने से ।

15. प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर सहेली के नाम बेला का **पत्र** कल्पना करके लिखें। 4

(ख) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 13 से 15 तक के उत्तर लिखें ।

अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं । कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार ... ।
दुनिया के सबसे बडे शो मैन का यह पहला शो था।   उसने जन्म ले लिया था।

13. दर्शकों ने चार्ली का अभिनंदन कैसे किया ? 1

14. **नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

लोग तालियाँ बजाते रहे ।   स्त्रियाँ तालियाँ-----------------।

15. ' पाँच साल के एक बालक ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया ।'– इस घटना पर **रपट** तैयार करें। 4

भाग – 6 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 16 से 17 तक के उत्तर लिखें ।

मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे

16. कवि ने हताश व्यक्ति के सामने हाथ क्यों बढाया ? 1

(क) उस व्यक्ति से सहायता माँगने केलिए ।
(ख) उस व्यक्ति को अपनी असहायता का परिचय देने केलिए ।
(ग) व्यक्ति उसका परिचित था ।
(घ) उसकी मुसीबत पहचानकर सहायता करने केलिए ।

17 . **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

हताशा से एक व्यक्ति	मेरे हाथ बढाने को जानते थे ।
मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता था	सडक के किनारे बैठा था ।
मुझे वह नहीं जानता था	साथ साथ चलने को जानता था ।
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	हताशा को जानता था ।

(ख) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 16 से 17 तक के उत्तर लिखें ।

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था । सो वे स्कूल केलिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे । कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे । सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ । धरती पर चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें । उनके बस्ते उनकी पीठ पर लदे होते थे, कंधों पर टंगे होते थे । वे एक दूसरे एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीटबहूटियाँ खोजते थे ।

16. साहिल और बेला स्कूल केलिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। क्यों ? 1

(क) उन्हें दुकान जाना है ।
(ख) मैदान में खेलना था ।
(ग) बीरबहूटियों को खोजना था ।
(घ) बारिश हो रही थी ।

17. **सही मिलान करें ।** 4

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना था	बीरबहूटियाँ खोजते थे ।
बारिश की हवा में	फिर भी उनमें पानी बचा हुआ था ।
बच्चा बहुत नज़दीक रहकर	हरियाली की गंध घुली हुई थी ।
बादल बहुत बरस लिए थे	वे घर से कुछ समय पहले निकले ।

भाग – 7 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 18 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

मोरपाल की मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं । हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला –बदली का । यानी मेरे टिफिन के राजमा–चावल उसके और उसके घर से आया बडा–सा छाछ का डिब्बा मेरा । उसे पता था कि छाछ मेरी कमज़ोरी है । मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को खाने से पहले कभी राजमा देखा भी नहीं था । वह हमारे स्कूल के पंद्रह किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साईकिल चलाता रोज़ स्कूल आता था।

18. **नमूने के अनुसार बदलकर लिखें ।** 1

लडका छुट्टी केलिए रोता है । लडका छुट्टी केलिए रोया करता है ।

लडकी छुट्टी केलिए रोती है । लडकी छुट्टी केलिए --------- ।

19. खेल घंटी में खाने की अदला–बदली के बारे में लेखक और मोरपाल के बीच हुए **वार्तालाप** तैयार करें। 4

अथवा

खेल घंटी में मिहिर दोस्त मोरपाल के साथ खाने की अदला–बदली करता है । इसपर मित्र के नाम मिहिर का **पत्र** लिखें ।

(ख) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 18 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं नहीं जानते था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

18. **' जानना '** शब्द की हमारी जानी–पहचानी रूढी क्या है ? 1

19. सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल पडा । किसीने उसकी सहायता नहीं की । बहुत समय तक वह सडक पर ही पडा रहा । इस घटना पर एक **रपट** लिखें । 4

अथवा

पाठभाग के आधार पर **' मनुष्य में मानवीय संवेदना होना अनिवार्य है '** विषय पर **टिप्पणी** लिखें ।

- जीवन की समय्याएँ
- प्यार, सहानुभूति, करुणा
- मनुष्यता का अहसास करना
- दूसरों की मदद

SSLC HINDI ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 – 21

उत्तर सूचिका – CODE A

भाग – 1

(क) 1. फुलेरा का स्कूल पाँचवीं तक ही था ।

2. गाँव का स्कूल पाँचवीं तक का होने से उन्हें आगे की पढाई केलिए अलग अलग स्कूलों में पढना पडेगा । इसलिए दोनों दुखी देख रहे थे ।

3. **साहिल की डायरी (रिज़ल्ट दिवस की)**

तारीख : ……………….

आज स्कूल का मेरा अंतिम दिन था । कितनी जल्दी पिछले पाँच साल बीत गये । अब मैं छठी कक्षा मे आ गया हूँ । आज संतोष के साथ दुख भी है । बचपन के दोस्त बेला से बिछुडने की वेदना मन में दर्द पैदा किया । आज उसकी आँखों में पहली बार मैंने आँसू देखा । मेरी भी आँखें भर गई थीं । बेला के साथ की स्कूल शिक्षा मैं कभी नहीं भूलूँगा । वह बहुत प्यारी और दिली दोस्त थी । फुलेरा के स्कूल पाँचवीं तक होने के कारण पिताजी ने मुझे अजमेर भेजने का निर्णय लिया था । वह तो अगले साल राजकीय कन्या पाठशाला में पढेगी ।

अथवा

पटकथा (पाँचवीं कक्षा के रिज़ल्ट आने पर)

स्थान – फुलेरा कस्बे की एक गली ।

समय – सुबह 11 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है ।
2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनीफॉर्म पहना है ।

दृश्य का विवरण – दोनों पाँचवीं कक्षा के रिज़ल्ट जानने के बाद दुखी मन से गली की एक पेड के नीचे खडे हैं ।

संवाद -

साहिल - तुमने हमारा रिज़ल्ट देखा ?

बेला - हाँ देखा, हम दोनों पास हो गए हैं ।

साहिल - अगले साल तुम कहाँ पढोगी ?

बेला - राजकीय कन्या पाठशाला में । और तुम ?

साहिल - मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे । वहाँ एक होस्टल में अकेला रहकर पढना पडेगा ।

बेला - क्या अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे ?

साहिल - नहीं यार । तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना ।

बेला - ठीक है, तुम भी अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाना । (दोनों एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखने लगते हैं ।)

साहिल - तुम्हारी आँखों से आँसू क्यों आ रहे हैं ?

बेला - (हँसते हुए) मुझे क्या पता ? अब तुम्हारी आँखें भी लाल हो गई हैं क्यों ?

साहिल - मुझे भी नहीं पता ।

बेला - आज से मैं तुम्हें कैसे चिढाऊँ ?

साहिल - कोई बात नहीं । हम छुट्टी के दिन फिर मिलेंगे ।

बेला - ठीक है, फिर मिलेंगे ।

साहिल - ठीक है बेला ।

(दोनों अलग-अलग रोस्ते से घर चले जाते हैं ।)

(ख) 1. ठाकुर द्वारा पकडे जाने के डर से ।

2. जोखू को मालूम था कि ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लेना आसानी की बात नहीं है । उसकी राय में ठाकुर लाठी मारेंगे और साहूजी एक के पाँच लेंगे । इस कारण से ही उसने गंदा पानी पीने का निश्चय किया ।

3. **पोस्टर (points) – जातिप्रथा एक अभिशाप है**

जातिप्रथा एक अभिशाप है

1.मानव-मानव के बीच जाति भेद न करें… जातीय असमानता सामाजिक अपराध,इसे खतम करें ।	2. छुआछूत दूर करो… समाज की उन्नति पाओ ।
3.नीच कुल में जन्म लेना व्यक्ति का अपना दोष नहीं… जन्म के आधार पर नीच जाति मानना निंदनीय अपराध ।	4. सभी मानव समान… जाति न देखो,कर्म देखो ।
5.एक देश, एक जाति, एक धर्म जाति ने नाम पर अत्याचार न करें ।	6. मनुष्य को जाति के नाम पर नहीं मनुष्य की तरह जानो… याद दें… आपत्ति,संकट पर कोई जाति नहीं होती ।
7.धरती पर सभी का हक एक जैसा जाति के नाम पर किसीसे यह अधिकार मत छीनो ।	8. करो रोकथाम जातिप्रता का … अपनेलिए… मनुष्यता केलिए…
9.जातीय असमानता संविधान के खिलाफ… इसे मिटाओ…सभी मानवों को समान मानो ।	**विश्व जातिगत भेदभाव विरुद्ध दिवस – मार्च 21**

गंगी और जोखू के बीच हुए वार्तालाप (ठाकुर के कुएँ से वापस घर आने पर)

गंगी – अरे ! आप यह क्या कर रहे हैं ?
जोखू – फिर मैं क्या करूँ ? प्यास के मारे गला सूख गया है ।
गंगी – लेकिन वह बदबूदार पानी है न ? आप की बीमारी बढ जाएगी तो?
जोखू – और मैं क्या करूँ ? तू साफ पानी लाने गई थी न ? मिल गया ?
गंगी – नहीं ।
जोखू – फिर इतनी देर तक कहाँ थी ?
गंगी – मैं ठाकुर के कुएँ से पानी ले रही थी ।
जोखू – फिर क्या हुआ ?
गंगी – इसी बीच ठाकुर ने मुझे देखा और मैं जान बचाकर भाग गयी ।
जोखू – मैंने पहले ही कहा था न ?
गंगी – अब क्या होगा ? भगवान ही जाने !
जोखू – ठीक है । अब लेटकर सो जाओ ।

भाग – 2

(क) 4. बुआ की नसीहतें शुरू होने लगीं ।

5. बुआ के इस कथन से मैं सहमत नहीं हूँ । बुआ के अनुसार लडकी पराए घर की अमानत है । ससुराल (पति का घर) ही उसका अपना घर है । परिवार में लडके को मिलती स्वंतत्रता, प्यार और देख-रेख लडकी को नहीं मिलती । लडकी के साथ ऐसा भेदभाव रखना कभी उचित नहीं है । दोनों को समान मानना ही एक स्वस्थ समाज केलिए हितकर होगा ।

6. **पटकथा (बुआ की नसीहतें)**

स्थान - घर के अंदर ।
समय - शाम के साढे पाँच बजे ।
पात्र - गुठली और बुआ (गुठली 14 साल की लडकी, चुडीदार पहनी है। बुआ 50 साल की औरत, साडी पहनी है ।)
घटना का विवरण - गुठली अपनी मर्ज़ी से कुछ करने लगी तो बुआ हमेशा की तरह उसे डाँटते हुए नसीहतें देना शुरू करती है ।

संवाद -

बुआ - गुठली ज़रा इधर आओ ।
गुठली - बताइए ... क्या बात है बुआ ?
बुआ - यह क्या है बेटी ? तुम्हें ऐसा मत करना है, ऐसा पट-पट मत बोलना है, धम-धम मत चलना है ।
गुठली - बुआ, आप बार-बार मुझसे ऐसा क्यों कहती है ?
बुआ - अरे, तू एक लडकी है न ?
गुठली - क्या लडकी होने से कोई दोष है ?
बुआ - अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे । कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं । ऐसा ही करोगी क्या अपने घर जाकर ?
गुठली - (क्रुद्ध होकर) आप क्या कह रही है ? अपना घर ? यही तो मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई ।
बुआ - (हँसती हुई) अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है । बाकी लडकियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है । ससुराल ही तेरा असली घर होगा । मैं भी इसी घर में पैदा हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है । कुछ समझी ?
गुठली - मैं नहीं मानूँगी ।
बुआ - तुम भी बडे होकर अपने घर चली जाओगी ।
गुठली - यही है मेरा, मैं इसे छोडकर कहीं नहीं जाऊँगी ।
(गुठली रोती हुई वहाँ से भाग जाती है ।)

अथवा

टिप्पणी – लडकियों को समानता का अधिकार है

भारतीय संविधान के अनुसार लडके-लडकियों को समानता का अधिकार है । लेकिन लडकियों को अकसर भेदभाव सहना पडता है । यह आज के समाज की बडी समस्या है । लडकी को जन्म से लेकर अंत तक घर का काम करना पडता है । सभी कहते हैं कि ससुराल ही लडकियों का असली घर है । इसलिए उसे अपने घर में अन्य होने का अनुभव होता है । समाज में हो या परिवार में हो लडकों के समान लडकियों को उचित स्थान नहीं मिलता है । समाज में भी यही भेदभाव हम देख सकते हैं । उसे स्वतंत्र रूप से चलने का अधिकार भी नहीं है । उन्हें लडकों के जैसे पढाई की सुविधाएँ नहीं मिलती हैं । आज नारी समाज के सभी क्षेत्रों में कर्मरत हैं । उसे समाज से अलग रखना उचित नहीं है । गर्भ में ही लडकियों की हत्या करने का निर्मम व्यवहार भी कभी-कभी चलता है । यानी वे लडकियों को जन्म देना भी नहीं चाहते । लजकियों के प्रति हीन भाव रखना ठीक नहीं है । लडका-लडकी एक जैसा है । लडकियों को समानता का अधिकार मिलना चाहिए ।

(ख) 4. हम स्कूल जाया करते थे ।

5. अंत में **कलाम का** सपना साकार होता है ।
फिल्म के अंत में कलाम का सपना साकार होता है ।

SREEJITH P, KOVOOR VARKALA, SCRT45 Ph 9567224545

6. **कलाम की डायरी (फिल्म के अंत में कलाम का सपना साकार हो जाता है ।)**

तारीख : ....

आज अपनी पसंद के स्कूल में मेरा पहला दिन । मेरा सपना साकार हो गया । स्कूल बस में मित्र रणविजय के साथ स्कूल गया । स्कूल यूनीफॉर्म पर टाई बाँधकर हम दोनों साथ –साथ चले । क्लास में उसके साथ बैठकर पढा । स्कूल की बात माँ से कहने पर वे भी खुश हुई । याद आया, चाय की दूकान में काम करते समय लफ्टन से रूठता था । लूसी मैडम ने मुझे दिल्ली ले जाकर कलाम जी से मिलवाने का वादा दिया था । चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली पहुँचा था । लेकिन कलाम जी से मिल न सका । पर मेरी चिट्ठी कलाम जी तक जरूर पहुँचेगी । सब सपने जैसे लग रहे हैं आज ! भाटीसा आजकल बहुत खुश दिखते हैं । अपनी पढाई का खर्चा मैं खुद उठाऊँगा । अच्छी तरह पढ-लिखकर मैं कलाम जी जैसा बडा आदमी बनूँगा ।

अथवा

पोस्टर – फिल्म का प्रदर्शन

प्रगति फिल्म क्लब, चेन्नै

वार्षिक समारोह

2020 मार्च 18, बुधवार को
सुबह 10 बजे सिनी हॉल, चेन्नै

उद्घाटन – जिलाधीश

अध्यक्ष – क्लब प्रसिडेंट

* विविध प्रधियोगिताएँ
* सार्वजनिक सम्मेलन
* पुरस्कार वितरण

फिल्म का प्रदर्शन

आई एम कलाम

प्रदर्शन दोपहर साढे 2 बजे - 4 बजे तक

सब आइए ... देखिए ...

" छोटू और रणविजय की दोस्ती सबके दिल जीत लेंगे "

भाग – 3

(क) 7. गाते समय उसकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से लोग चिल्लाने लगे तो वे स्टेज से हटने को मजबूर हो गई ।

8. यह + ने = इसने

9. **अभद्र** शोर ने माँ को हटने को मज़बूर कर दिया ।
अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया ।

(ख) 7. किसी दुस्साहसी अभिमन्यु का ।

8. टूटे पहिये की ।

9. अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु केवल चक्रव्यूह में घुसने की विद्या ही जानता था । लेकिन उससे बाहर निकलने का रास्ता उसे पता नहीं था । फिर भी बिना सोचे शत्रुओं की चुनौती स्वीकार करके चक्रव्यूह के अंदर प्रवेश करके युद्ध करने तैयार हुआ । इसलिए अभिमन्यु को दुस्साहसी कहा गया है ।

भाग – 4

(क) 10. अकाल का

11. भोजन न मिलने से अकाल में चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय बन गयी ।

12. **कवितांश का आशय**

हिंदी के मशहूर कवि नागार्जुन ने अकाल और उसके बाद कविता के प्रस्तुत अंश में अनेक बिंबों और प्रतीकों से सजाकर अकाल की भीषणता का वर्णन किया है । कविता में अकाल से ग्रस्त एक घर का बारीक चित्रण है ।

अकाल के प्रभाव से घर में कुछ भी अनाज नहीं था । इस कारण कई दिनों तक खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इसलिए दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही । कानी कुतिया पिछले कुछ दिनों से खाना न मिलने की निराशा से चूल्हा और चक्की के पास सोई थी । भूख मिटाने केलिए कुछ मिलने की तलाश में छिपकलियाँ दीवार पर इधर-उधर घूम रही थीं । भोजन न मिलने से चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय थी । क्योंकि घर में खाना बनने पर ही उन्हें भी खाने केलिए कुछ मिलता है । अकाल का असर केवल मनुष्यों को ही नहीं अन्य जीव-जंतुओं पर भी पडता है ।

कवि नागार्जुन ने एक भी मानव पात्र को प्रस्तुत न करके अन्य जीव-जंतुओं और निर्जीव पदार्थों के ज़रिए घर की बुरी हालत का चित्रण अच्छी तरह किया है । कविता में अकाल ग्रस्त घर के माहौल को प्रस्तुत करने में कवि सफल हुए हैं । सरल भाषा में लिखी यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है ।

(ख) 10. जीवन की विषमताएँ

11. निहत्थी

SREEJITH P, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

12. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **‘श्री. धर्मवीर भारती’** की कविता संग्रह **‘सात गीत वर्ष’** से चुनी गई ‘टूटा पहिया’ कविता से ली गई हैं। महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है। इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए।

कवि रथ का टूटा हुआ पहिया बताने के जैसे कहते हैं कि अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे बडे महारथियों ने अपने ब्रह्मास्त्रों से अभिमन्यु अकेली निहत्थी आवाज़ को कुचल डालना चाहा। उस वक्त अभिमन्यु ने अपने रथे के टूटे हुए पहिए को हथियार बनाकर ब्रह्मास्त्रों से लोहा लिया था। शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति का दुरुपयोग करके आम जनता को कुचल डालना चाहता है। ऐसी अवसर पर मैं, रथ का टूटा पहिया मानवीय मूल्य बनकर निरायुध के हाथ में आ जाता हूँ और ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ। यहाँ महारथी शोषक वर्ग का और ब्रह्मास्त्र शोषक के हाथ की महाशक्ति का प्रतीक है।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है। कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है।

भाग – 5

(क) 13. बच्चियों को रोना आता है।

14. बेला के भयभीत चेहरे को देखकर।

15. **सहेली के नाम बेला का पत्र - क्लास में हुए बुरे अनुभव का जिक्र करते हुए**

स्थान : ……………….

तारीख : ……………….

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ।

आज स्कूल में एक घटना हुई। तीसरी पिरीयड गणित का था। गणित के माटसाब का नाम सुनते ही हम काँप जाते थे। आज वे मेरी कॉपी जाँच रहे थे। तभी उन्होंने मेरे बालों में पंजा फँसाया। लेकिन कॉपी में कोई गलती नहीं थी। उन्होंने मुझे छोड दिया। मैं डर से काँप रही थी। उन्होंने कॉपी मेरी सीट पर फेंक दी। फिर अपनी जगह पर बैठने का आदेश दिया। तुम जानती हो, वे कितने क्रूर हैं। उनकी क्लास हमें बहुत भयानक लगता है। वहाँ तुम्हें सुरेंदर जी जैसा कोई अध्यापक है क्या ?

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता।

(ख) 13. दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की।

14. बजाती रहीं।

15. **समाचार (चार्ली का पहला शो)**

माँ की आवाज़ फटी ; बेटा बना शो मैन

स्थान : ……………………… लंदन के प्रसिद्ध थिएडर में पहली बार कदम रखा पाँच साल का बच्चा चार्ली ने स्टेज पर चमत्कार कर दिया। गाते वक्त अपनी माँ की आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया। चार्ली निष्कलंकता से गा रहा था कि लोग प्रसन्न होकर स्टेज पर पैसा फेंकने लगे। बच्चा गाना बंद करके पैसे बटोरने लगा। इस व्यवहार ने हॉल को हँसीघर में बदल दिया। इसके बाद उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। दर्शकों ने खुशी से तालियाँ बजाकर चार्ली का अभिनंदन किया। लोगों ने उसमें एक महान कलाकार को देख लिया था।

भाग – 6

(क) 16. उसकी मुसीबत पहचानकर सहायता करने केलिए।

17. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें।**

हताशा से एक व्यक्ति	सडक के किनारे बैठा था।
मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता था	हताशा को जानता था।
मुझे वह नहीं जानता था	मेरे हाथ बढाने को जानते थे।
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	साथ साथ चलने को जानता था।

(ख) 16. बीरबहूटियों को खोजना था।

17. **सही मिलान करें।**

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना था	वे घर से कुछ समय पहले निकले।
बारिश की हवा में	हरियाली की गंध घुली हुई थी।
बच्चा बहुत नज़दीक रहकर	बीरबहूटियाँ खोजते थे।
बादल बहुत बरस लिए थे	फिर भी उनमें पानी बचा हुआ था।

भाग – 7

(क) 18. रोया करती है ।

19. **वार्तालाप – मिहिर और मोरपाल के बीच (खाने की अदला बदली के बारे में)**

मोरपाल - अरे मिहिर, जल्दी आओ हम साथ खाएँ ।

लेखक - पुस्तक बैक में रखकर मैं अभी आया ।

मोरपाल - वाह ! तुम्हारे टिफिन बॉक्स में यह क्या है ?

लेखक - यह तो राजमा है । क्या तुमने इसे अभी तक खाया नहीं ?

मोरपाल - नहीं यार । मैं इसे आज पहली बार देख रहा हूँ ।

लेखक - मेरेलिए सामान्य सी चीज़ तुम्हारेलिए इतना खास ! खाकर कहिए कैसा है राजमा-चावल ? तुमने आज क्या लाया ?

मोरपाल - मैं तो छाछ लाया हूँ ।

लेखक - वाह छाछ ! इसे खाए कितने दिन हुए ?

मोरपाल - तुम्हारे चावल और राजमा की कडी बहुत स्वादिष्ठ है ।

लेखक - तुम्हारे सब्जी-चावल और छाछ भी बहुत बढिया है ।

मोरपाल - सच ! तो हम एक काम करें, आज से हर दिन खाना अदला-बदली करके खाएँ ।

लेखक - ज़रूर । आज से मेरे घर से लाते राजमा-चावल तुम खाओगे और तुम्हारे घर से लाते छाछ-चावल मैं ।

मोरपाल - सचमुच यह तो बडी खुशी की बात है । खेलने जाना है न ? जल्दी खाएँ ।

लेखक - ठीक है ।

अथवा

मिहिर का पत्र (मोरपाल के साथ अपनी खाने की अदला बदली)

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

तुमको मेरा दोस्त मोरपाल को याद है न ? आज हम खाने केलिए बैठा तो मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखकर वह बहुत प्रसन्न हो गया । वह राजमा को पहली बार देख रहा था । मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरेलिए सामान्य सी चीज दूसरों केलिए इतनी खास हो सकती है । आज से हमारा सौदा हुआ, खाने की अदला-बदली करने का । उसके घर से लाया छाछ का डिब्बा मुझे दिया और मेरे घर से लाया राजमा -चावल उसको । मुझे लगता है कि अपने घर की गरीब हालत से ही वह राजमा जैसा बढिया दाल खरीद न सकता होगा । मैं हर दिन उसे अपने घर से राजमा लाकर देना चाहता हूँ ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है? तुम कब यहाँ आओगे? तुम्हारे माँ-बाप से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

(ख) 18. व्यक्ति को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना ।

19. **रपट - सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल पडा ।**

घायल आदमी पडे रहे लंबी देर सडक पर

स्थान : ------- कल शाम को किसी अज्ञात गाडी के टकराने से घायल हुए एक आदमी बहुत समय सडक के किनारे ही पडा रहा । उसके शरीर से खून बह रहा था । उसका एक हाथ टूट गया था । सिर पर भी चोट लग गई थी । उसकी हालत बहुत नाजुक थी । बहुत लोग उसके पास से गुज़रे । पर किसीने उसकी सहायता करने की कोशिश नहीं की । कुछ लोग उसे देखे बिना चला गया तो कुछ उसे एक शो की तरह देखता रहा तो और कुछ उसकी फोटो खीचकर ज़्यादा लैक प्राप्त करने की कोशिश में लगे रहे । भाग्य से अंत में एक बूढा आदमी आकर उसे अस्पताल पहुँचाया । उनके अवसरोचित हस्तक्षेप से उसकी जान बच गई । इससे पता चलता है कि आज के ज़माने के लोगों में मनुष्यता बहुत कम देखने को मिलते हैं । वे अपने-अपने बारे में ही सोचते हैं । दूसरों की मदद करने में वे हिचकते हैं । यह तो बहुत खतरनाक स्थिति है ।

अथवा

टिप्पणी – मनुष्य में मानवीय संवेदना का होना अनिवार्य है

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है । मनुष्य में मानवीय संवेदना का होना अनिवार्य है । किसी व्यक्ति को जानने केलिए उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे, जाति आदि को जानने की ज़रूरत नहीं है । उसकी हताशा, निराशा, असहायता, संकट आदि को जानना ही काफी होगा । यदि किसी व्यक्ति को इन बातों से हम नहीं जानते तो उस व्यक्ति के बारे में हम कुछ नहीं जानते । दुख-दर्द और एहसास सबके एक जैसे होते हैं । उसे समझने केलिए किसीको वैयक्तिक रूप से जानने की ज़रूरत नहीं । सडक पर घायल पडे व्यक्ति को देखना पडे तो हमें समझना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसीबत में है और उसे हमारी मदद की आवश्यकता है । दो मनुष्यों के बीच लेखक ने मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना का होना ज़रूरी माना है, जानकिरियों का नहीं । किसी व्यक्ति की मुसीबत में सहायता करना चाहिए न कि जब हम उसे जानते हैं तभी उसकी मदद करें ।

SREEJITH P. KOVOOR VARKALA. SCR145 ph 9567224545